सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 247 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 17 अक्टूबर, 2022

मूल्य ₹ 3/-

मंजिल या लक्ष्य तक पहुंचने से ज्यादा महत्वपूर्ण यात्रा अच्छे से करना होता है।
-महात्मा बुद्ध

सोनेलाल पटेल की... 8 | लोक सभा चुनाव: अब मुस्लिमों को... 3 | भारत जोड़ो यात्रा से डरी भाजपा... 7

कांग्रेस को गैर-गांधी अध्यक्ष मिलना तय, खड़गे-थरूर में मुकाबला

सोनिया गांधी ने डाला वोट, बोलीं, लंबे समय से था इंतजार

- देश भर के 40 केंद्रों पर बनाए गए 68 बूथ प्रियंका गांधी ने भी किया मतदान
- भारत जोड़ो यात्रा कैंप में बने बूथ पर राहुल ने डाला वोट, 19 को मतगणना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के लिए आज वोटिंग हुई। देश भर के 40 केंद्रों पर बनाए गए 68 बूथों पर कांग्रेस कमेटी के सदस्यों ने मतदान किया। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी और पूर्व पीएम मनमोहन सिंह समेत कई लोगों ने कांग्रेस मुख्यालय में बने बूथ में मतदान किया। एक बूथ भारत जोड़ो यात्रा के कैंप में भी बनाया गया है, जहां राहुल गांधी और करीब 40 मतदाताओं ने वोट डाले। चुनाव में मुख्य मुकाबला मल्लिकार्जुन खड़गे और शशि थरूर के बीच है। इसके साथ ही कांग्रेस को गैर-गांधी अध्यक्ष मिलना तय हो गया है। मतगणना 19 अक्टूबर को होगी। फिर नतीजे घोषित किए जाएंगे।

कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी आज वोट डालने के लिए नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय पहुंचीं। जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि क्या वह कांग्रेस अध्यक्ष को लेकर हो रहे चुनाव से खुश हैं? तो उन्होंने कहा कि वह इस दिन का लंबे समय से इंतजार कर रही थीं। सोनिया ने पार्टी मुख्यालय में मतदान किया। उनके साथ पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी वोट डाला। पी चिदंबरम, जयराम रमेश, अजय माकन, मुकुल वासनिक, वरिष्ठ नेता अम्बिका सोनी, विवेक तन्खा समेत कई अन्य वरिष्ठ नेताओं ने मतदान भी किया। भारत जोड़ो यात्रा पर निकले राहुल गांधी ने कर्नाटक के संगनाकल्लु में बनाए गए यात्रा कैंप बूथ पर मतदान किया। कांग्रेस अध्यक्ष पद के मजबूत उम्मीदवार माने जा रहे वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने बेंगलुरू और शशि थरूर ने तिरुवनंतपुरम स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में मतदान किया। लखनऊ में भी कांग्रेस नेताओं ने मतदान किया। फिलहाल खड़गे का पलड़ा भारी माना जा रहा है। 9,000 से अधिक पीसीसी के प्रतिनिधियों के गुप्त मतदान में हिस्सा लेने की उम्मीद है।

मिलकर बनानी है पार्टी: खड़गे

कांग्रेस अध्यक्ष पद के उम्मीदवार मल्लिकार्जुन खड़गे ने थरूर की उम्मीदवारी पर कहा कि यह हमारे आंतरिक चुनाव का हिस्सा है। हमने एक-दूसरे से जो कुछ भी कहा वह मैत्रीपूर्ण है। हम दोनों को मिलकर पार्टी बनानी है। उन्होंने कहा, मतदान से पहले शशि थरूर ने मुझे फोन किया और मुझे शुभकामनाएं दीं और मैंने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं।

कांग्रेस का हो रहा पुनरूद्धार: थरूर

कांग्रेस अध्यक्ष पद के उम्मीदवार शशि थरूर ने मतदान से पहले कहा, मुझे विश्वास है कि कांग्रेस पार्टी की किस्मत पार्टी कार्यकर्ताओं के हाथ में हैं। यह कांग्रेस के पुनरुद्धार का समय है। चुनाव का अंजाम चाहे जो हो लेकिन कांग्रेस का पुनरुद्धार शुरू हो गया है।

छठवीं बार हो रहा चुनाव

कांग्रेस पार्टी के 137 साल के इतिहास में छठवीं बार अध्यक्ष पद के लिए मतदान हो रहा है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश के मुताबिक, अध्यक्ष पद के लिए अब तक 1939, 1950, 1977, 1997 और 2000 में चुनाव हुए हैं। पूरे 22 वर्षों के बाद अध्यक्ष पद के लिए चुनाव हो रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए पिछली बार चुनाव 2000 में हुआ था, जब जितेंद्र प्रसाद को सोनिया गांधी के हाथों जबरदस्त हार का सामना करना पड़ा था। कांग्रेस पार्टी हमारे देश की एकमात्र राजनीतिक दल है जो अपने अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराती है। ये ऐतिहासिक क्षण है।

सिसोदिया से सीबीआई की पूछताछ, केजरीवाल बोले, गुजरात के नतीजे आने तक रखेंगे जेल में

- शराब घोटाले में जांच एजेंसी के सामने हुए पेश, मामले को बताया फर्जी
- बड़ी संख्या में समर्थकों के साथ पहुंचे सीबीआई दफ्तर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कथित शराब घोटाले को लेकर आज दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया पूछताछ के लिए सीबीआई दफ्तर में पेश हुए। जांच एजेंसी उनसे पूछताछ कर रही है। वहीं इसे लेकर आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने ट्वीट किया, गुजरात के नतीजे आने तक ये लोग मनीष को जेल में रखेंगे ताकि मनीष गुजरात चुनाव में प्रचार के लिए न जा पाएं।

मनीष सिसोदिया के साथ बड़ी संख्या में आप कार्यकर्ता सीबीआई दफ्तर पहुंचे। यहां सिसोदिया जांच एजेंसी के सामने पेश हुए। उन्होंने कहा कि इनकी तैयारी मुझे गिरफ्तार करने की है। मामले को फर्जी बताते हुए उन्होंने कहा कि ये मुझे जेल में डाल रहे हैं जिससे गुजरात न जा सकूं। गुजरात चुनाव में भाजपा हार रही है।

भाजपा ने कसा तंज

दिल्ली के शराब घोटाले में सीबीआई पूछताछ से पहले मनीष सिसोदिया के रोड शो पर भाजपा ने करारा वार किया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, यह जश्न-ए-भ्रष्टाचार है। पहले भ्रष्टाचार करिए, दलाली खाइए और जब सवाल पूछा जाए तो जश्न मनाइए। जिस प्रकार मनीष सिसोदिया खुले कार में, अपने समर्थकों के साथ नारे लगाए हुए, फूल माला डालकर निकले, ऐसा लग रहा है कोई किला फतह करके निकले हो। जैसे आम आदमी पार्टी ने करप्शन का वर्ल्ड कप जीत लिया हो। यदि दुनिया में करप्शन का वर्ल्ड कप हो तो उसे आम आदमी पार्टी जीत जाएगी।

पिता की अस्थियां लेकर अखिलेश परिवार संग हरिद्वार रवाना

- विधि-विधान से गंगा में विसर्जित करेंगे अस्थियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इटावा। सपा प्रमुख अखिलेश यादव आज सुबह पिता मुलायम सिंह यादव की अस्थियां लेकर परिजनों संग सैफई से हरिद्वार के लिए रवाना हो गए। सैफई हवाई पट्टी से निजी विमान से वे देहरादून के जौली ग्रांट एयरपोर्ट पहुंचे और वहां से हरिद्वार की ओर रवाना हो गए। यहां वे विधि-विधान और पूजन के बाद नेताजी की अस्थियों को गंगा में विसर्जित करेंगे।

अखिलेश यादव के आवास पर सुबह चाचा शिवपाल सिंह यादव, आदित्य यादव, धर्मेंद्र यादव, अनुराग यादव, तेज प्रताप यादव पहुंच गए। इसके बाद परिवार के सभी सदस्य एक साथ सैफई हवाई पट्टी गए। इन सबके देर शाम सैफई लौटने की संभावना है। नेताजी मुलायम सिंह यादव का मेदांता अस्पताल में 10 अक्टूबर को निधन हो गया था। मुलायम सिंह यादव के अंतिम संस्कार में बेटे अखिलेश यादव ने उन्हें मुखाग्नि दी थी।

त्योहारों पर माहौल खराब करने वालों से निपटें : सीएम योगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावाली व छठ पूजा को देखते पुलिस व प्रशासन की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की। अपने सरकारी आवास से वह वीसी के माध्यम से जिलों के पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों से जुड़े। इस अवसर पर उन्होंने कहा खानपान की चीजों में मिलावटखोरी स्वीकार नहीं है। ऐसा करने वालों से सख्ती से निपटें। योगी ने दो टूक कहा कि पर्व-त्योहार पर माहौल खराब करने की कोशिश करने वाले अराजक तत्वों के साथ सख्ती से निपटा जाए। संवेदनशील क्षेत्रों में पहले से ही अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाए।

आबादी के बीच पटाखे की दुकानें व गोदाम किसी भी कीमत पर नहीं होना चाहिए। आग से बचाव के सभी जरूरी उपाय सख्ती के साथ किए जाएं, ताकि कोई दुर्घटना होने पर तत्काल आग पर काबू पाया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे इंतजाम किए जाएं कि सभी नागरिक पर्व-त्योहार को हर्षोल्लास के साथ मना सकें और नागरिक सुविधाओं में कहीं कोई कमी न हो। त्योहार-पर्व के अवसर पर बाजारों में काफी भीड़भाड़ होगी। ऐसे में सभी शहरों में बेहतर ट्रैफिक प्लान बनाकर लोगों को जाम की समस्या से निजात दिलाई जाए। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की अनावश्यक कटौती की शिकायत नहीं होनी चाहिए। सीएम ने सख्त निर्देश दिए कि खानपान की चीजों में मिलावटखोरी स्वीकार नहीं होगी। ऐसे में मिलावट के खिलाफ सघन प्रदेशव्यापी अभियान चलाया जाए और प्रभावी ढंग से कार्रवाई भी की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि थाना, सर्किल, जिला, रेंज, जोन व मंडल स्तर पर तैनात वरिष्ठ अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में समाज के प्रतिष्ठित लोगों के साथ संवाद बनाएं। सकारात्मक संदेश जारी कराएं और मीडिया का सहयोग लेकर शांति व सौहार्द का माहौल बनाएं।

नई सरकार में जीआई रजिस्ट्रेशन पर तेजी से हो रहा काम : मेघवाल

काशी में 11 राज्यों के विश्व प्रसिद्ध उत्पादों की प्रदर्शनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वाराणसी में स्थानीय उत्पादों का सबसे बड़ा मेला जीआई महोत्सव शुरू हो गया है। जीआई उत्पादों पर आधारित महोत्सव कराने वाला वाराणसी पहला जिला बन गया है। इसमें 11 राज्यों के 100 स्टॉल लगाए गए हैं। यहां पर आपको पूरे देश की विश्व प्रसिद्ध वस्तुएं मिलेंगी। 6 दिन तक चलने वाले इस मेले का समापन 21 अक्टूबर को होगा। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि मोदी के संसदीय क्षेत्र में विकास तेजी से हो रहा है। आगे कहा कि नई सरकार में जीआई रजिस्ट्रेशन पर भी तेजी से काम हो रहा है। साथ ही लोगों को इसके लिए जागरूक भी किया जा रहा है। वाराणसी के बड़ा लालपुर स्थित दीनदयाल हस्तकला संकुल में देश भर से आए जीआई उत्पादों के कारोबारी और विशेषज्ञ मौजूद हैं। इस महोत्सव में वाराणसी और आसपास पूर्वांचल के जिले मिर्जापुर, भदोही, आजमगढ़, चंदौली, गाजीपुर के भी कई जीआई उत्पाद ऐसे शामिल हैं, जो पूरे विश्वभर में पूर्वांचल की पहचान के तौर पर जाने जाते हैं। यह महोत्सव उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के निर्देश पर किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री रविंद्र जायसवाल ने कहा कि बनारस की साड़ी और बनारस का पान दोनों ही विश्व विख्यात है। कमिश्नर कौशल राज शर्मा ने कहा कि युवाओं को तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में बहुत सी जानकारियां यहां पर मिलेंगी।

रसोई गैस, पेट्रोल की बढ़ती कीमतों के लिए मोदी सरकार जिम्मेदार : नसीमुद्दीन

» पूर्व कैबिनेट मंत्री ने स्मृति ईरानी पर बोला हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने मोदी सरकार नीतियों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि देश में जब भाजपा सरकार आई है तब से छोटे कारोबारियों के व्यापार खत्म कर उन्हें अंबानी और अडानी को दिया जा रहा है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी का नाम लिए बगैर कहा कि जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी तब रसोई गैस के दाम बढ़ने पर भाजपा की एक महिला नेत्री चूड़ियां भेज रहीं थीं। अब भाजपा सरकार में रसोई गैस से पेट्रोल की बढ़ती कीमतें उन्हें नहीं दिख रहीं। नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने आगरा में कहा कि देश की आर्थिक स्थिति खराब हो चुकी है।

भाजपा सरकार झूठ बोलकर जनता का ध्यान बांट रही है। आरक्षण को लेकर उनका कहना था कि संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। धीरे-धीरे सभी विभागों का निजीकरण कर आरक्षण को खत्म किया जा रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पर सवाल उठाने वाले भाजपा नेताओं को भी उन्होंने आड़े हाथ लिया। नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने कहा कि देश में जाति और धर्म के नाम पर भाजपा फूट डाल रही है। राहुल गांधी सबको एक करने में जुटे हैं। वे 3600 किमी की यात्रा पैदल यात्रा कर भाजपा की असलियत को जनता के सामने रख रहे हैं। भाजपा को किसने रोका है, राहुल गांधी की यात्रा के मुकाबले के लिए भाजपा 7200 किमी यात्रा करनी चाहिए। नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए।

बृजेश पाठक ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों का किया सम्मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में सांस्कृतिक धरोहर इमामबाड़ा शाहनजफ में हुसैनी वेलफेयर सोसायटी (रजि) के तत्वावधान में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम रसूले खुदा मोहम्मद साहेब की पत्नी हजरत खदीजा की याद में आयोजित किया जाता है। इस आयोजन का उद्घाटन उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने किया। इस अवसर पर डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में प्रोफेसर डॉ सनोबर हैदर, जिन्होंने छतर मंजिल एवं फरहत बक्श जैसी ऐतिहासिक धरोहरों पर विस्तृत तथ्यों से सुसज्जित पुस्तक लिखी है, के उत्कृष्ट योगदान के दृष्टिगत स्मृति चिन्ह देकर उनको भी सम्मानित किया।

अनुराधा सिंह ने बाढ़ पीड़ितों की मदद की, राहत सामग्री बांटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के बलरामपुर, गोंडा, श्रावस्ती, बहराइच, सीतापुर व अयोध्या में बाढ़ की स्थिति भयावह है। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए समाजसेवी बाढ़ पीड़ितों की मदद करने में लगातार जुटे हुए हैं। इसी क्रम में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासंघ की प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराधा सिंह, अंशु सिंह ने जिला बलरामपुर में बाढ़ से पीड़ित परिवारों की मदद की। अनुराधा सिंह ने लंच पैकेट, मोमबत्ती, माचिस, शुद्ध पेय जल तथा बच्चों को बिस्किट देकर बाढ़ पीड़ितों की मदद की। यही नहीं उन्होंने पीड़ितों के दुख से द्रवित होकर कल ही सूखा अनाज उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर संदीप पाण्डेय निवासी लालनागर ने इस वितरण हेतु अखिल भारतीय क्षत्रिय महासंघ का आभार व्यक्त किया है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

गन्ना किसानों से अधिकारी करें संवाद : लक्ष्मी नारायण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के गन्ना एवं चीनी उद्योग मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने लखनऊ में समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दो टूक निर्देश दिए कि वह गन्ना किसानों से सीधा संवाद स्थापित करें और उनकी समस्या का त्वरित समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि 90 प्रतिशत किसानों को भुगतान किया जा चुका है। अभी तक 1,79,490 करोड़ रुपये का भुगतान किसानों को किया जा चुका है। बकाया गन्ना भुगतान भी जल्द किया जाए। अधिकारियों ने बैठक में मंत्री को जानकारी दी कि पेराई सत्र 2020-21 में शत प्रतिशत किसानों को गन्ना भुगतान किया जा चुका है। वर्ष 2021-22 में भी लगभग 90 प्रतिशत किसानों को भुगतान किया जा चुका है। बाकी किसानों को गन्ना के बकाया धन का भुगतान जल्द कर दिया जाएगा। मंत्री ने बैठक में यह भी निर्देश दिए कि चीनी मिलें गन्ना किसानों को कृषि संयंत्र खरीदने के लिए ब्याज मुक्त ऋण देकर उनकी मदद करें। उन्होंने कहा कि पश्चिम उप्र में दीपावली के आसपास चीनी मिलें शुरू होंगी। इस बार मौसम के कारण गन्ना की फसल प्रभावित हुई है। ऐसे में इन सब पहलुओं को देखते हुए अभी से तैयारियां पूरी कर ली जाएं।

लोक सभा चुनाव: अब मुस्लिमों को रिझाने की तैयारी में भाजपा, पसमांदा समाज पर फोकस

» पिछड़े मुस्लिमों को भाजपा से जोड़ने की कवायद तेज

» यूपी में चार करोड़ आबादी है पसमांदा मुस्लिमों की

» कल्याणकारी योजनाओं की दी जा रही जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव में विजय पताका फहराने के बाद अब भाजपा लोक सभा चुनाव की तैयारियों में जुट गयी है। आम चुनाव में वह कोई कोर-कसर बाकी नहीं छोड़ना चाहती है। यही वजह है कि वह अब मुस्लिमों को रिझाने में जुट गयी है। इसके लिए उसने देश का पहला पसमांदा बुद्धजीवियों का सम्मेलन भी आयोजित किया। इसके अलावा अल्पसंख्यक मोर्चे को भी मुस्लिम समाज में पैठ बढ़ाने के लिए लगाया जा चुका है।

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के अपने नारे के साथ भाजपा लोक सभा चुनाव में उतरने जा रही है। इस दिशा में पार्टी नेतृत्व अब पसमांदा (पिछड़े) बुद्धिजीवियों के जरिए मुसलमानों की बड़ी आबादी में अपना पैठ बनाने में जुट गयी है। 2024 के लोक सभा चुनाव और उससे पहले होने जा रहे नगरीय निकाय चुनाव के मद्देनजर मुसलमानों के बीच गहरी पैठ बनाने के लिए पार्टी अपने अल्पसंख्यक मोर्चा के माध्यम से देश का पहला पसमांदा बुद्धिजीवी सम्मेलन लखनऊ में आयोजित किया। इस सम्मेलन में पसमांदा मुसलमानों की विभिन्न जातियों के बुद्धिजीवी प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मुस्लिम समुदाय में पसमांदा मुसलमानों की हिस्सेदारी 80 फीसदी है। उत्तर प्रदेश में मुसलमानों की पांच करोड़ से अधिक की आबादी में चार करोड़ से अधिक पसमांदा मुसलमान ही हैं। गौरतलब है कि तीन माह पहले जुलाई में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की हैदराबाद में हुई बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पार्टी से पसमांदा मुसलमानों तक पहुंच बढ़ाने का आह्वान किया था। ऐसे में राजधानी में होने जा रहे सम्मेलन को मुस्लिम समुदाय में पार्टी की पैठ बढ़ाने की दिशा में भाजपा के रोडमैप का अहम हिस्सा माना जा रहा है।

सामाजिक-आर्थिक उत्थान का संदेश

भाजपा सरकार की कल्याणकारी योजनाएं पसमांदा मुसलमानों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान की सूत्रधार साबित हो रही हैं। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बासित अली का कहना है कि हमारी केंद्र व राज्य सरकार द्वारा मुस्लिम समाज के लिए किए गए तमाम कार्य और संगठन-सरकार में पसमांदा मुसलिम को दिए गए प्रतिनिधित्व के बारे में बताया जा रहा है। इस तरह के और भी सम्मेलन पार्टी द्वारा किए जाएंगे। उनका मानना है कि इस तरह के सम्मेलनों से स्वाभाविक रूप से मुस्लिम समाज का भाजपा की ओर और झुकाव बढ़ेगा।

गुजरात चुनाव पर भी नजर

लखनऊ। गुजरात विधान सभा चुनाव में योगी सरकार के तीन वरिष्ठ मंत्रियों और प्रदेश से दो राज्य सभा सदस्यों को कमल खिलाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह को कच्छ जिले की अबडासा, मांडवी, भुज, अंजार, गांधीधाम (एससी) और रापर विधान सभा सीट का प्रभारी बनाया गया है। राज्य सभा के मुख्य सचेतक एवं राज्य सभा सदस्य लक्ष्मीकांत बाजपेयी को जूनागढ़ जिले का प्रभारी बनाया है। सहकारिता राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार जेपीएस राठौर को महिसागर जिले की बालासिनोर, लुणावाडा और संतरामपुर (एसटी) सीट का प्रभारी बनाया है। प्रदेश उपाध्यक्ष एवं परिवहन राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर सिंह को राजकोट जिले की राजकोट ग्राम्य (एससी), जसदण, गोंडल, जेतपुर, धोराजी विधान सभा का प्रभारी बनाया है। राज्य सभा सदस्य विजयपाल सिंह तोमर को सोमनाथ जिले की सोमनाथ, तलाला, कोडीनार (एससी) व उना सीट की जिम्मेदारी मिली है।

तो क्या पूरा हो पाएगा मुलायम का सपना!

सम्मान की चाहत को बरकरार रखना सपा प्रमुख के लिए बड़ी चुनौती

» अखिलेश के कंधों पर आई परिवार को एक करने की जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी और परिवार को एकजुट करने में मुलायम सिंह यादव की भूमिका सबसे अहम थी। मुलायम ऐसे नेता थे, जिनके रिश्ते विपक्षी दलों के नेताओं से भी अच्छे थे। वैचारिक मदभेद के बावजूद विपक्षी दल के नेता उनका सम्मान करते थे। अखिलेश भले ही मुलायम के उत्तराधिकारी हैं, लेकिन उनकी कई खूबियां उनके भाई शिवपाल सिंह यादव में है। शिवपाल ने भी वैचारिक मतभेद के बावजूद विपक्षी दलों के नेताओं से अच्छे रिश्ते बनाए हैं।

अखिलेश यादव अगर पिता का सपना पूरा करना चाहते हैं, तो उन्हें सबसे पहले चाचा शिवपाल सिंह यादव को साथ लाना होगा। चाचा शिवपाल के आने से न केवल पार्टी बल्कि परिवार में भी एकजुटता आ सकती है। मुलायम परिवार के एकजुट होने में सबसे बड़ी रुकावट पद और सम्मान की चाहत है। परिवार का हर सदस्य पद और सम्मान चाहता है। मुलायम सिंह यादव ने ये बखूबी किया, जबकि अखिलेश अब तक ऐसा नहीं कर पाए हैं। ऐसे में अखिलेश और शिवपाल दोनों को एक-एक कदम पीछे हटना होगा। दोनों को कुछ मुद्दों पर बैठकर बातें करनी होगी और समझौता करना होगा। तभी परिवार और पार्टी एकजुट हो पाएगी। मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद शिवपाल सिंह यादव ने कहा, नेताजी का अक्स अखिलेश यादव में दिखाई पड़ता है। मैनपुरी से चुनाव लड़ने की अटकलों पर बोले कि अभी हम उस स्थिति में नहीं हैं। मुझे क्या करना है या क्या नहीं करना है। ये सब बातें तो जब मौका आएगा तो की जाएंगी। इसलिए इस समय कोई फैसले की बात नहीं है। देखिए क्या जिम्मेदारी मिलती है, क्या करना है। दरअसल, 2012 में जब समाजवादी पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ सरकार में आई थी, तब शिवपाल सिंह यादव भी मुख्यमंत्री बनने की रेस में थे। ऐसे समय मुलायम ने अपने बेटे अखिलेश को आगे बढ़ाया और मुख्यमंत्री बना दिया। शिवपाल सिंह यादव को तब मंत्री पद से ही संतोष करना पड़ा। कुछ दिनों तक ठीक चला लेकिन बाद में शिवपाल और अखिलेश के रिश्तों में खटास आने लगी। उसी दौरान से मुलायम दोनों के बीच के रिश्ते को ठीक करने की कोशिश करते रहे। मुलायम चाहते थे कि पूरा परिवार एकजुट होकर रहे और आगे की लड़ाई लड़े लेकिन 2017 आते-आते इसमें बड़ी दरार पड़ गई। अखिलेश यादव और शिवपाल सिंह यादव के रास्ते अलग-अलग हो गए। फिर 2022 आते-आते परिवार में कई और फूट पड़ गई। मुलायम के कई रिश्तेदारों ने उनका साथ छोड़ दिया। यहां तक ही उनकी बहू अपर्णा यादव भी भाजपा में शामिल हो गई। मुलायम का सपना टूट रहा था लेकिन उन्होंने परिवार को एकजुट करने की कोशिश नहीं छोड़ी। विश्लेषकों का कहना है कि अब ये दारोमदार अखिलेश यादव पर है।

नेताजी की विरासत संभालने के लिए परिवार में चार दावेदार

समाजवादी पार्टी के लिए पिछले नौ लोक सभा चुनाव में अभेद्य दुर्ग रही मुलायम सिंह यादव की मैनपुरी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। चुनौती प्रत्याशी चयन को लेकर है। मैनपुरी सीट के लिए परिवार के ही चार दावेदार हैं। इनमें मुलायम के भतीजे धर्मेंद्र यादव, पौत्र तेज प्रताप सिंह यादव, भाई शिवपाल सिंह यादव व बहू डिंपल यादव हैं। मुलायम के न रहने पर अखिलेश को पार्टी के साथ ही परिवार को भी साधना है। 2022 के विधान सभा चुनाव में भी अखिलेश ने चाचा की पार्टी को साथ लिया था, हालांकि उन्हें केवल एक सीट दी थी। अखिलेश ने जब सपा विधायकों की बैठक बुलाई थी उसमें न बुलाए जाने से चाचा नाराज हो गए थे। उन्होंने यहां तक कह दिया था कि सपा के साथ समझौता उनकी सबसे बड़ी भूल थी।

मैनपुरी सीट पर होगा छह महीने में उपचुनाव

शिवपाल के अभी तक जो तेवर रहे हैं उसे देख अखिलेश को सावधानी से निर्णय लेना होगा। टिकट देने में जरा सी चूक से पार्टी को यहां बड़ा झटका लग सकता है। सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद अब मैनपुरी संसदीय सीट रिक्त हो गई है। यहां छह महीने के अंदर उपचुनाव होना है। 1996 से लगातार सात लोक सभा चुनाव व दो उपचुनाव में यहां सपा की साइकिल खूब दौड़ी। 2004 में जब मुलायम सिंह ने मैनपुरी सीट से इस्तीफा दिया, उस समय उपचुनाव में धर्मेंद्र यादव ही यहां से जीते थे। इसी तरह वर्ष 2014 में जब मुलायम ने फिर यह सीट छोड़ी तो उस समय उपचुनाव में उनके पौत्र तेज प्रताप सिंह यादव मैनपुरी से चुनाव जीतकर सांसद बने थे। इस कारण धर्मेंद्र व तेज प्रताप दोनों का दावा इस सीट पर मजबूत है।

जसवंत नगर पर है शिवपाल का कब्जा

शिवपाल यादव भी पहले कह चुके हैं यदि नेताजी चुनाव नहीं लड़ेंगे तो वे चुनाव लड़ने पर विचार कर सकते हैं। हालांकि, अब मुलायम के न रहने पर स्थितियां बदली हैं। मुलायम ने जब 1996 में जसवंतनगर विधान सभा सीट छोड़ी थी तब से शिवपाल ही इस सीट से चुनाव लड़कर विधायक बनते आ रहे हैं। सैफई के इस यादव परिवार में शिवपाल ही ऐसे व्यक्ति हैं जो मुलायम की तरह सभी दलों में संबंध रखते हैं। इसका फायदा दिल्ली की राजनीति में अखिलेश व पार्टी को मिल सकता है। इसे ध्यान में रखते हुए अखिलेश भी अपने चाचा से रिश्ते सुधारने के लिए उन्हें मैनपुरी से उतार सकते हैं। यदि ऐसा हुआ तो शिवपाल जसवंतनगर सीट से अपने बेटे आदित्य को चुनाव लड़वा सकते हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

घाटी में टारगेट किलिंग और सरकार

जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के टारगेट किलिंग का सिलसिला थम नहीं रहा है। आतंकियों ने शोपियां में एक कश्मीरी पंडित पूरन कृष्ण भट की गोली मारकर हत्या कर दी। वहीं तमाम वादों के बावजूद सरकार इन कश्मीरी पंडितों को सुरक्षा मुहैया कराने में नाकाम साबित हो रही है। सवाल यह है कि आतंकियों को लगातार मुठभेड़ में मार गिराए जाने के बावजूद घाटी के हालात सुधर क्यों नहीं रहे हैं?

जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के टारगेट किलिंग का सिलसिला थम नहीं रहा है। आतंकियों ने शोपियां में एक कश्मीरी पंडित पूरन कृष्ण भट की गोली मारकर हत्या कर दी। वहीं तमाम वादों के बावजूद सरकार इन कश्मीरी पंडितों को सुरक्षा मुहैया कराने में नाकाम साबित हो रही है। सवाल यह है कि आतंकियों को लगातार मुठभेड़ में मार गिराए जाने के बावजूद घाटी के हालात सुधर क्यों नहीं रहे हैं? आतंकी आम आदमी को क्यों निशाना बना रहे हैं? इन आतंकियों की मदद कौन कर रहा है? क्या कश्मीर में चुनाव से पहले पाकिस्तान और आतंकी संगठन माहौल खराब कराने की साजिश रच रहे हैं? सेना और पुलिस बलों की भारी तैनाती के बावजूद ऐसी घटनाएं क्यों घट रही हैं? क्या अभी भी आतंकियों के स्लीपर सेल घाटी में सक्रिय हैं? आखिर इस समस्या का स्थायी समाधान सरकार क्यों नहीं खोज रही है? क्या आम आदमी की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी नहीं है?

जम्मू-कश्मीर में धारा 370 की समाप्ति के बाद से ही पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। वह वैश्विक मंचों से आज भी कश्मीर का राग अलापने से बाज नहीं आता है। इसके अलावा वह कश्मीर में लगातार आतंकी घटनाओं को अंजाम दे रहा है। पाकिस्तान के पाले आतंकी उसकी शह पर कश्मीर में खूनी खेल खेल रहे हैं। जब से सीमा पर सुरक्षा इंतजाम कड़े हुए हैं और घुसपैठ करने वाले आतंकियों को सेना मुठभेड़ में मार रही है तब से आतंकी संगठनों ने अपनी रणनीति और टारगेट दोनों ही बदल दिये हैं। आतंकियों ने आम आदमी को निशाना बनाना शुरू कर दिया है ताकि घाटी में दहशत का माहौल बनाया जाए। कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास से भी आतंकी चिढ़े हैं और इनको लगातार निशाना बना रहे हैं। टारगेट किलिंग इसी का नतीजा है। इन आतंकियों को यहां के स्लीपर सेल और अलगाववादी मदद पहुंचा रहे हैं। कई बार स्लीपर सेल के सदस्य भी टारगेट किलिंग में शामिल होते हैं। इसमें दो राय नहीं कि बिना स्थानीय लोगों की मदद के कश्मीरी पंडित या बाहर से आए खास समुदाय के लोगों को निशाना नहीं बनाया जा सकता है। वहीं सरकार कश्मीरी पंडितों को सुरक्षा मुहैया कराने में नाकाम साबित हो रही है। निजी तौर पर हर एक नागरिक को सुरक्षा मुहैया कराया भी नहीं जा सकता है। बावजूद इसके सरकार को चाहिए कि वह कश्मीरी पंडितों की सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम करे अन्यथा कश्मीर में लौटी चहल-पहल एक बार फिर खत्म हो जाएगी। इसके अलावा सुरक्षा बलों व खुफिया एजेंसियों को आतंकियों के स्लीपर सेल और इनके मददगारों को चिन्हित कर सफाया भी करना होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

खुद को बदल रहा संघ!

उमेश चतुर्वेदी

क्या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ उदार हो रहा है? क्या वजह है कि संघ प्रमुख मोहन भागवत मुस्लिम समुदाय के प्रमुख लोगों से मिले? ऐसे कई और सवाल हैं, जो इन दिनों न सिर्फ भारतीय उपमहाद्वीप को मथ रहे हैं बल्कि संघ के कार्यकर्ताओं के बीच उठे रहे हैं। हाल के दिनों में मुस्लिम बुद्धिजीवियों और इमामों-उलेमाओं से मोहन भागवत की मुलाकात हुई थी। इसके पहले संघ के अस्थायी मुख्यालय उदासीन आश्रम में संघ प्रमुख से पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी, दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल नजीब जंग समेत कई मुस्लिम बौद्धिकों ने संघ प्रमुख से भेंट की थी। अव्वल तो ऐसी भेंट-मुलाकातों का स्वागत होना चाहिए? लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। इसकी वजह है, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पारंपरिक छवि।

भारत में अब तक जो नैरेटिव रहा है, उसमें संघ को लेकर यह मान्यता रही है कि वह मुस्लिम विरोधी है। संघ विरोधियों ने इस नैरेटिव को बड़े जतन से स्थापित किया है। इसके लिए उन्होंने कभी संघ के दूसरे प्रमुख माधव सदाशिव गोलवलकर की पुस्तक 'ब्रंच ऑफ थॉट्स' का हवाला दिया तो कभी राममंदिर आंदोलन का। राममंदिर आंदोलन के दौरान एक नारा बहुत उछलता रहा है,अभी तो यह झांकी है, काशी-मथुरा बाकी है। ऐसे नारों के हवाले से भी संघ को मुस्लिम विरोधी ठहराया जाता रहा है। यह सच है कि संघ के किसी प्रमुख व्यक्ति ने खुलकर ऐसी राय नहीं जाहिर की है, जो मुस्लिम विरोध में जाती है। वैसे गोलवलकर के संदर्भ में संघ प्रमुख 2019 में कह चुके हैं कि विचार समय के साथ कदमताल करने के लिए परिवर्तित होते हैं। संघ एक बात पर जोर देता रहा है। उसके लिए राष्ट्र और मातृभूमि पहले है। संघ के अंदरूनी दायरे में एक बात अक्सर कही जाती है कि व्यक्ति से बड़ा संगठन होता है, संगठन से बड़ा समाज होता है और समाज से बड़ा देश होता है। भारत और राष्ट्र को लेकर जो वैदिक और पारंपरिक भारतीय अवधारणा रही है, उस अवधारणा के तहत संघ हिंदुस्तान में पैदा हुए हर व्यक्ति को हिंदू ही मानता है। ऐसी बात विनायक दामोदर सावरकर भी कहते रहे। संघ चूंकि इसी नजरिए से हिंदुस्तान, हिंदू और हिंदुत्व की व्याख्या करता रहा है इसलिए एक धारणा यह बन गई कि संघ मुसलमानों का विरोधी है। इस अवधारणा को पल्लवित और पोषित करने में वे राजनीतिक ताकतें हमेशा सक्रिय रहीं, जिनकी राजनीति अल्पसंख्यक तुष्टिकरण के साथ ही अल्पसंख्यकों में

भय बनाए रखने की मजबूत बुनियाद पर टिकी रही। हालांकि यह भी विचारणीय है कि यदि संघ मुस्लिम विरोधी होता तो उसके प्रमुख कार्यकर्ता इंद्रेश कुमार की पहल पर 2002 में राष्ट्रीय मुस्लिम मंच क्यों गठित होता। अगर संघ मुस्लिम विरोधी होता तो इंद्रेश कुमार की संघ के प्रमुख कार्यकर्ता के रूप में प्रतिष्ठा क्यों बनी रहती? देश विभाजन भारतीय इतिहास का एक ऐसा अध्याय है, जिसे संघ ही क्यों, राष्ट्रीय विचारधारा भी आज तक स्वीकार नहीं कर पाई है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्विराष्ट्रवाद का विरोधी रहा है। हाल में संघ के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने राष्ट्र को लेकर जो कहा है, वह संघ की वैचारिकी ही नहीं, राष्ट्र की उसकी अवधारणा को समझने का सूत्र हो सकती है। उन्होंने कहा है, राष्ट्र लोक यानी लोग, संस्कृति और मातृभूमि से मिलकर बना है। दीनदयाल उपाध्याय इसे चित्ति यानी मानस लोक का विस्तार मानते थे। संघ को अल्पसंख्यक समुदाय के कुछ लोगों की उस वैचारिकी से एतराज रहा है, जिसके लिए राष्ट्र से पहले उनका मजहब रहा है। डॉक्टर अंबेडकर ने भी अल्पसंख्यक समुदाय की इस अवधारणा को लक्षित किया है। उन्होंने लिखा है कि उनके मन में एक साथ दो मुल्क होते हैं, पहला है मजहब, देश उसके बाद आता है। शायद यह वैचारिकी भी संघ को अल्पसंख्यक विरोधी साबित करने का आधार बनती रही है। यही वजह है कि संघ प्रमुख मुस्लिम बौद्धिकों और अल्पसंख्यक समुदाय के प्रमुख लोगों से मिलते हैं तो सवाल उठते हैं। सवाल सिर्फ बाहर से ही नहीं उठते बल्कि कार्यकर्ताओं के बीच से भी उठते हैं। वैसे, ऐसा नहीं है कि संघ प्रमुख पहली बार मुस्लिम बौद्धिकों से मिल रहे हैं। इसके पहले मुसलमानों के ही प्रमुख संगठन जमीअत-उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख मौलाना अरशद मदनी से संघ प्रमुख ने 30 अगस्त 2019 को दिल्ली में मुलाकात की थी। इसकी बड़ी चर्चा हुई थी, तब देश में राम मंदिर को लेकर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने वाला था। माना जा रहा है कि संघ अपने राजनीतिक संगठन भाजपा को बड़ा आधार देने के लिए ऐसा कर रहा है। देश की मुस्लिम जनसंख्या करीब 19.2 करोड़ है। जनसंख्या की इतने बड़े हिस्से से संवाद ना रखना किसी भी संगठन की समझदारी नहीं मानी जाएगी।

ईरान में हिजाब का बढ़ता विरोध

एमजे खान

तीन सप्ताह से अधिक समय से जो घटनाक्रम ईरान में चल रहा है, वह बेहद चिंताजनक है। मीडिया रिपोर्टों की मानें तो अब तक सौ से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है तथा बड़ी संख्या में गिरफ्तारियां हुई हैं। इसके बावजूद देश के लगभग सभी हिस्सों में विरोध प्रदर्शन जारी हैं। ये प्रदर्शन 16 सितंबर को महसा अमीनी नामक लड़की की मौत के बाद से चल रहे हैं। उसे ठीक से हिजाब न पहले के लिए हिरासत में लिया गया था, जहां वह बेहोश हो गयी थी। पुलिस पर आरोप है कि इस लड़की के साथ हिरासत में मारपीट की गयी थी।

अभी जो परिस्थिति ईरान में बनी है, वह इस लिहाज से भी दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि ईरान उन कुछ इस्लामिक देशों में से एक रहा है, जहां विभिन्न प्रकार के सुधार किये गये थे। इन सुधारों को अयातुल्लाह खुमैनी की अगुवाई में 1979 में हुई इस्लामिक क्रांति के बाद उलट दिया गया था। दुनिया जब बदलाव और खुलेपन की ओर बढ़ रही है, तब इसे जोर-जबरदस्ती से रोक पाना उचित नहीं है। खुलेपन का यह मतलब नहीं है कि पश्चिमी सभ्यता और उसके मूल्यों को पूरी तरह धारण कर लिया जाए लेकिन जब लोगों, विशेषकर युवा वर्ग, को रूढ़िवादिता में जकड़ा जायेगा तो उनका विरोध करना स्वाभाविक है। यदि रूढ़ियों में समाज को बांधकर रखना है तो फिर पूरी दुनिया से अलग-थलग होने का विकल्प ही बचता है, आप इंटरनेट बंद कर दें, सूचना तकनीक को खत्म कर दें। इसके बरक्स यह विकल्प है कि आप दुनिया के साथ कदम मिलाकर चलें। अपने समाज के मूल्यों, अपने धार्मिक विश्वासों तथा अपने पारिवारिक परंपराओं को बरकरार रखते हुए समाज में कुछ खुलापन लाने की दिशा में आगे बढ़ें। यह बड़े अफसोस की बात है कि ईरान आज से छह-सात दशक पहले जैसा था, आज इतने अरसे बाद वह और भी पीछे की ओर जा रहा है। इस्लाम को रूढ़िवादिता में बांधकर मुल्लाओं ने लोगों ने यह समझा दिया है कि प्रतीकों में धर्म है जबकि वास्तविकता यह है कि धर्म के प्रतीक हो सकते हैं लेकिन प्रतीक में धर्म नहीं हो सकता है इसलिए धर्म की गहराई को और उसकी आत्मा को समझने की जरूरत है। उसमें मानवता के कल्याण के लिए काम करने का संदेश मूल रूप से अंतर्निहित है।

दुनियाभर में सऊदी अरब से हुए वहाबीवाद के निर्यात के जरिये इस्लाम को एक कट्टर रूप दे दिया गया। इसका एक असर ईरान पर भी हुआ है। ऐतिहासिक तथ्य यह है कि अमेरिका ने तत्कालीन सोवियत संघ के साम्यवाद के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए सऊदी अरब से इसका निर्यात करवाया। उसका इरादा यह था कि मुस्लिम देशों और समाजों में रूढ़िवाद की दीवार इतनी मजबूत व ऊंची हो जाए कि साम्यवाद उसे पार न कर सके। अमेरिका उस काम में कामयाब रहा लेकिन समूचा मुस्लिम समाज आज उसका खामियाजा भुगत रहा है। अब तो उसे समझ ही जाना चाहिए कि किसके कहने पर कौन उसका भुगतान कर रहा है। आज भले ही अमेरिका की इसमें दिलचस्पी नहीं रही हो, लेकिन मुस्लिम समाजों के भीतर हर जगह ऐसे संगठन खड़े हो गये हैं, जो रूढ़िवादिता का प्रचार-प्रसार करते रहते हैं। मेरा हमेशा से मानना है और यह बात मैं भारतीय मुस्लिम समाज से कहता भी रहा हूं कि आप एक शांतिपूर्ण समाज में पले-बढ़े हैं, यहां के मूल्यों से आपको जो लाभ हुआ है, उसे सामने रखकर दुनियाभर के मुसलमानों को रास्ता दिखाइए। इसका कारण यह है कि किसी और देश के मुसलमानों को ऐसे बहुसांस्कृतिक समाज में रहने का अच्छा अनुभव नहीं रहा है। ईरान हो या कोई और देश या समाज या धर्म, जो जितना कट्टरपंथ की ओर बढ़ेगा, उतना ही अपना नुकसान करेगा। यह सबक लेने के लिए पूरी दुनिया का इतिहास हमारे सामने है। कट्टरपंथ ने अफगानिस्तान का क्या हाल किया है, यह हम देख रहे हैं। दूसरी ओर मलेशिया, इंडोनेशिया और बांग्लादेश के उदाहरण हैं, जो उदार हुए और इससे उनका विकास हुआ। 1950 के दशक के एक सर्वे में बताया गया था कि पाकिस्तान की औसत आय भारत से 70 फीसदी अधिक थी तथा बांग्लादेश (तब पूर्वी पाकिस्तान) की औसत आय भारत से 70 फीसदी कम थी।

आज स्थिति यह है कि बांग्लादेश भारत और पाकिस्तान दोनों से आगे निकल गया है तथा पाकिस्तान भारत से बहुत पीछे चला गया है। कट्टरपंथी देशों और संगठनों को देखकर भले यह लगे कि वे दूसरों का नुकसान कर रहे हैं, पर असल में वे खुद को ही बर्बाद कर रहे होते हैं। आज ईरान के सत्ताधारी वर्ग को बहुत पहले हुए सुधारों को देखना चाहिए तथा विरोध प्रदर्शनों को बलपूर्वक कुचलने के बजाय समाज में खुलेपन की प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए। ऐसा नहीं हुआ, तो मिस्र या अल्जीरिया की तरह ईरान में भी तख्तापलट हो सकता है। यह सही है कि पहले जो सुधार ईरान में हुए उसे खुमैनी साहेब के सत्ता में आने के बाद उलट दिया गया। रूढ़िवादिता हावी हो गयी, लेकिन उन सुधारों का लाभ आज भी ईरानी समाज उठा रहा है। अभी जो संघर्ष चल रहा है, वह इस वजह से है कि उसे उन लाभों से वंचित होने का खतरा है। इसी कारण यह विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। आज सऊदी अरब जैसे देश में तेजी से आधुनिकीकरण हो रहा है। ऐसे में ईरान जैसा देश समाज को जो पहले आगे जा चुका था, को पीछे की ओर ले जाना चाहता है, तो इसे मूर्खता ही कहा जायेगा। यह अवसर भारत समेत दुनियाभर के लिए भी यह सबक लेने का है कि हिंसा और कट्टरपंथ का मिश्रण बहुत घातक होता है तथा वह विकास की राह को अवरुद्ध कर सकता है।

एक 'बैग' के साथ भी कर सकते हैं ट्रैवलिंग

बैग में ऐसे कपड़े रखें, जो रिंकल फ्री हों और ज्यादा जगह ना लें

ट्रैवल में लिक्विड के बजाय सॉलिड चीजों को कैरी करना चाहिए

एक सहज यात्रा जैसा कुछ नहीं। जब मन किया एक बैग उठाया और चल दिए दुनिया एक्सप्लोर करने। कई लोगों के लिए ऐसी यात्रा सपने जैसी होती है, जिसे चाहकर भी वे पूरा नहीं कर पाते। उनके लिए यात्रा मतलब ही ढेर सारा लगेज और उन्हें संभालकर रखने की बड़ी जिम्मेदारी। अगर आप केवल एक लगेज के साथ यात्रा करें तो आपका सफर वाकई बहुत आसान बन सकता है. यहां हम आपके लिए कुछ ऐसे ट्रैवल पैकिंग टिप्स लेकर आए हैं जिनकी मदद से आप केवल एक लगेज लेकर लंबी से लंबी यात्रा पूरी कर सकते हैं।

सही बैग जरूरी

बेहतर होगा अगर आप अपने साथ ऐसा बैग कैरी करें जिसे कोई भी एयरलाइन्स हैंड लगेज के रूप में भी अलाउ कर दे। अधिक बड़ा बैग आपको हर बार एयरलाइंस के लगेज एरिया में देना होगा और उसे रिसीव करने के लिए लंबी लाइन में खड़ा भी होना पड़ेगा. जबकि छोटे बैग में अपने जरूरी सामान छूट सकते हैं।

इस तरह रखें सामान

ऐसे कपड़े रखें जो रिंकल फ्री हों और अधिक जगह ना लें. कपड़ों को अधिक से अधिक छोटा फोल्ड करें और ट्रैवल पाउच का अधिक से अधिक इस्तेमाल करें। रीसाइकल चीजों का इस्तेमाल फायदेमंद होगा।

शॉपिंग की कर लें प्लानिंग

यह पहले ही सोच लें कि आप शॉपिंग में वैसी चीजें ना खरीदें जिन्हें साथ लाना मुश्किल हो सकता है। अगर आपको लेना ही है तो आप वहां के लोकल कुरियर सर्विस का इस्तेमाल करें और अपने घर पर उन्हें पोस्ट कर लें।

भारी कपड़े पहन लें

अगर आप ठंडे मौसम में ट्रैवल करने वाले हैं तो भारी बल्की कपड़ों को आप पहले से पहन सकते हैं। इससे बैग में कम जगह ये घेरेंगे।

लिक्विड की जगह सॉलिड सामान

बेहतर होगा कि आप ट्रैवल में लिक्विड चीजों की बजाय सॉलिड चीजों को रीप्लेस कर लें। मसलन, लिक्विड सोप की जगह साबुन, डीओ या परफ्यूम की जगह रोलऑन आदि।

रियलिस्टिक प्लान बनाएं

जब भी आप यात्रा की प्लान बनाएं तो यह पहले से तय करें कि आप किस तरह से दिन गुजारने वाले हैं। मसलन, अगर आप एक महीने में एक किताब पढ़ पाते हैं तो बीच पर वेकेशन के लिए 3-4 किताबें पैक करने की जरूरत नहीं।

हंसना मना है

पिता- पढ़ ले नालायक, कभी तूने अपनी कोई बुक खोलकर भी देखी है। बेटा-हां पापा देखी है, बल्कि रोज देखता हूं उसे. पिता- कौन सी बुक पढ़ने लगा है तू? बेटा- फेसबुक।

पत्नी- सुनो मेरे मुहं में मच्छर चला गया, अब क्या करूं? पति- पगली ऑल आउट पी ले. छह सेकंड में काम शुरू।

राजू पहाड़ों पर पैराशूट बेच रहा था ग्राहक- अगर पैराशूट नहीं खुला तो? राजू- तो आपके पूरे पैसे वापिस

पति - तुम मुझे दो ऐसी बातें बोलो, जिनमें से एक को सुनकर मैं खुश हो जाऊं और दूसरी को सुनकर नाराज हो जाऊं पत्नी - तुम मेरी जिंदगी हो और दूसरी बात लानत है ऐसी जिंदगी पर

लड़की मेरा जानू, मेरे बेबी, मेरा बच्चा, माय स्वीटू, मेरा भोलू, क्या तुम मुझसे शादी करोगे? बोल मेरा बच्चा.. लड़का हैरान होकर : अरे प्रपोज कर रही है, या गोद ले रही है..

डॉक्टर - कैसे हो? शराब पीना बंद किया या नहीं? मरीज - जी डॉक्टर साहब, बिल्कुल छोड़ दिया है. बस कोई ज्यादा रिक्वेस्ट करता है तो पी लेता हूं. डॉक्टर - बहुत बढ़िया... और यह तुम्हारे साथ कौन भाई साहब हैं? मरीज - जी इनको रिक्वेस्ट करने के लिए रखा हुआ है. टीचर - चल बता...4 और 4 कितने होते हैं? भोलू - 10 होते हैं. टीचर - 8 होते हैं... नालायक भोलू - हम दिलदार घर से हैं....2 मैंने अपने खुद के भी डाले हैं।

कहानी | तेली और कसाई

एक बार की बात है, बादशाह अकबर दरबार में बैठे हुए थे। उसी समय एक तेली और कसाई आपस में लड़ते-लड़ते आए। बीरबल ने पूछा तुम दोनों में से कौन शिकायत लेकर आया है? तेली ने कहा मैं वादी हूं।तभी कसाई ने कहा मैं प्रतिवादी हूं। बीरबल ने उन दोनों की लड़ाई की वजह पूछी तो तेली बोला गरीबपरवर! मैं अपनी दुकान पर बैठा हुआ हिसाब लिख रहा था कि तभी इस कसाई ने मेरे पास आकर तेल मांगा। मैंने अपना काम छोड़कर इसे तेल दे दिया और फिर अपना काम करने लगा। कुछ देर में मैं आंख उठाकर क्या देखता हूं कि पैसों की थैली गायब है। मुझे इस कसाई पर शक हुआ, इसलिए मैं उसी समय दौड़ता हुआ इसके पास गया और इसके हाथ में वह थैली देखी। लेकिन जब मैंने इससे थैली मांगी तो इसने देने से इंकार कर दिया और कहा कि यह तो इसकी है। मैं बिल्कुल सच-सच कह रहा हूं अगर इसमें कुछ भी झूठ हो तो ऊपर वाला हाजिर है वह जानता है। अब आप खुद इंसाफ करके मेरी थैली मुझे दिलवा दीजिए। जब तेली इस तरह अपना हाल सुना चुका तब कसाई कहने लगा हुजूर! मैं अपनी दुकान पर बैठा बिक्री के पैसे गिन रहा था कि तभी यह तेली रोज की तरह तेल बेचने आया। इसकी दुकान व मेरे घर के बीच चार-पांच घर पड़ते हैं। जिस समय यह मेरे पास आया उस समय पैसों की थैली मेरे पास रखी हुई थी। इसके जाने के बाद मैंने देखा तो थैली नहीं मिली। मैंने दौड़कर इसे पकड़ लिया और अपनी थैली इससे छीन ली। मैंने अपनी सारी बात सच्ची-सच्ची कही है। इसमें कुछ हो तो खुदा की कसम है सरकार। हमारा आप ही इंसाफ कीजिए। बीरबल ने दोनों की बात सुनकर उन्हें अगले दिन आने का हुक्म दिया और पैसों की थैली अपने पास रहने दी। उनके चले जाने के बाद बीरबल ने उस थैली में से पैसे निकाल कर धुलवाए तो उनमें तेल का अंश बिल्कुल दिखाई न दिया बल्कि एक तरह की बदबू आई, जिससे उसको विश्वास हो गया कि ये पैसे कसाई के हैं। अगले दिन ठीक समय पर कसाई और तेली दरबार में आ गए। बीरबल ने उन्हें अपना फैसला बता दिया तो तेली चीखने-पुकारने लगा, मगर जब बीरबल ने उसमें कोड़े लगाने का हुक्म दिया तो उसने अपना कुसूर मान लिया। बीरबल ने पैसों की थैली कसाई को दी और तेली को सही सजा देने का हुक्म दिया। बादशाह अकबर को जब बीरबल के इस इंसाफ का पता चला, तो वे बहुत खुश हुए।

शिक्षा :- सच्चाई की हमेशा जीत होती है। किसी कवि ने इस विषय में ठीक ही कहा है-सच्चाई छुप नहीं सकती कभी झूठे उसूलों से कि खुशबू आ नहीं सकती, कभी कागज के फूलों से। इसलिए व्यक्ति को सदैव सच्चाई की राह पर चलना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज व्यापार के क्षेत्र में आप अलग पहचान बनाने में कामयाब होंगे। आपका जीवनसाथी और बच्चे खुशी का स्रोत होंगे। मां का स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित हो सकता है।

वृषभ

आज आप खुद को सुकून में और जिंदगी का लुत्फ उठाने के लिए सही मनोदशा में पाएंगे। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी।

मिथुन

आज अपनी सेहत के चिंता करने की कतई जरूरत नहीं है। आपके आस-पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। दोस्तों से दूर रहे।

कर्क

रूके हुए सारे काम आसानी से पूरे हो जायेंगे। अगर आप अपने बड़े भाई-बहनों के सहयोग से किसी भी काम को शुरू करेंगे, तो उसमें आपको तरक्की जरूर मिलेगी।

सिंह

आज आप जीवन के प्रति आपके नजरिये में सकारात्मक बदलाव लाएंगे. परिवार के सदस्यों के साथ छोटी यात्राओं या भ्रमण की योजना बन सकती है।

कन्या

कुछ तनाव और मतभेद आपको चिड़चिड़ा और बेचैन बना सकते हैं। आप ऐसे स्रोत से धन अर्जित कर सकते हैं, जिसके बारे में आपने पहले सोचा तक न हो।

तुला

आज ऑफिस में बड़े अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। पूरे दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। इस राशि के राजनीति से जुड़े लोगों के लिये आज विदेश दौरे के चांस बन रहे हैं।

वृश्चिक

धन लाभ की संभावनाएं हैं। आपके पास बहुत काम बकाया है जैसी भी स्थिति हो आप यह सब काम प्रभावी तरीके से पूरा कर लेंगे। आमदनी आने की आवश्यकता है।

धनु

दिन कार्यक्षेत्र में तरक्की दिलाने वाला रहेगा। माता-पिता के साथ आपके संबंध बेहतर होंगे। कोर्ट-कचहरी के किसी मामले में फैसला आपके पक्ष में रहेगा।

मकर

अच्छा दिन है। खुशमिजाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें।

कुम्भ

आज परिवार वालों के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताने का मौका मिलेगा। इस राशि के बुक सैलर के लिए आज का दिन लाभ दिलाने वाला हो सकता है।

मीन

गृहस्थी में समस्या हो सकती है। पारिश्रमिक के संबंध में सुधार संभव है। आपको अनावश्यक खर्चों पर नियन्त्रण रखने की आवश्यकता है।

छोटा पर्दा | मन की बात

पति के कारण ही करवा चौथ का व्रत नहीं रख पातीं सोनम कपूर

बीते गुरुवार को पूरे देशभर में खूब धूमधाम से करवा चौथ सेलिब्रेट किया गया है। आम महिलाओं से लेकर मशहूर फिल्मी हस्तियों ने निर्जला रहकर पति की लंबी आयु के लिए ये व्रत रखा। इसी बीच अब बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर का एक बयान काफी वायरल हो रहा है। इसमें उन्होंने बताया है कि वह अपने पति के कारण ही इस व्रत को नहीं रख पातीं। सोनम ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई फोटोज शेयर की हैं। इनमें उन्हें ग्रीन और रेड कलर का लहंगा पहने हुए देखा जा रहा है। एक्ट्रेस इस लुक में बेहद खूबसूरत भी दिख रही हैं। हालांकि उन्होंने अपनी इन फोटोज के साथ एक लंबा-चौड़ा पोस्ट शेयर किया है। इसमें एक्ट्रेस ने लिखा, मेरे पति आनंद आहूजा करवा चौथ व्रत के फैन नहीं हैं। सोनम ने अपनी इस पोस्ट में आगे लिखा हम दोनों का ही विश्वास है कि किसी भी त्योहार या ट्रेडिशन में परिवार और दोस्तों की बहुत अहम भूमिका होती है। मुझे ये देखकर बहुत अच्छा लगता है कि मेरी मां कितने प्यार के साथ इस व्रत को निभाती हैं और मैं इस परंपरा का हिस्सा बन रही हूं। आप सभी को करवा चौथ की बधाई। अब एक्ट्रेस का ये पोस्ट तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा है। सोनम के इस पोस्ट को देखकर यह अंदाजा तो साफ लगाया जा सकता है कि वह बेशक करवा चौथ का व्रत न रख पाती हों, लेकिन उनमें इसके प्रति पूरी आस्था और विश्वास है। बता दें कि गुरुवार को अनिल कपूर के घर पर ही करवा चौथ की पूजा का आयोजन किया गया था, जिसमें बॉलीवुड की तमाम एक्ट्रेसेस शरीक हुईं। गौरतलब है कि सोनम कपूर कुछ समय पहले ही मां बनी हैं। उन्होंने 20 अगस्त को एक प्यारे से बेटे को जन्म दिया है। आनंद और सोनम ने अपने बेटे का नाम वायु रखा है। एक्ट्रेस काफी वक्त से एक्टिंग की दुनिया से दूर हैं और परिवार के साथ वक्त बिता रही हैं।

राजस्थान में टैक्स फ्री की गई 'ऐ जिंदगी'

दिग्गज एक्ट्रेस रेवती के लीड रोल वाली फिल्म ऐ जिंदगी को लेकर हर दिन काफी चर्चा बनी हुई हैं। हाल ही में यह फिल्म रिलीज हुई है। इसमें रेवती के साथ सत्यजीत दूबे को भी मुख्य भूमिका में देखा जा रहा है। अब इसे लेकर खबर आई है कि राज्य सरकार द्वारा राजस्थान में फिल्म को टैक्स फ्री घोषित कर दिया गया है। अनिर्बान बोस द्वारा निर्देशित और शिलादित्य बोरा द्वारा निर्मित यह फिल्म अंगदान के महत्व को जीवंत करती है। ऐ जिंदगी एक सच्ची कहानी पर आधारित है। फिल्म के टैक्स फ्री होने पर प्रतिक्रिया देते हुए निर्माता शिलादित्य बोरा ने कहा, हम इस फैसले के लिए राजस्थान सरकार को धन्यवाद देना चाहते हैं। इसे कर मुक्त बनाने से ज्यादा लोग यह देख सकेंगे कि अंगदान कैसे जीवन को बदल देता है और लाखों लोगों को आशा देता है जो अन्यथा इंतजार कर रहे हैं एक अंग के लिए। बता दें कि अभिनेता सत्यजीत ने फिल्म में लीवर सिरोसिस से पीड़ित व्यक्ति के अपने हिस्से के अनुरूप एक महीने के भीतर अपना 10 किलो वजन कम किया. पाउंड कम करने के लिए उन्होंने एक तरल आहार पर स्विच किया और केवल टमाटर और खीरे के साथ-साथ एक दिन में 10 किलोमीटर दौड़ लगाई और उन्होंने 27 दिनों में ही 10 किलो वजन कम कर लिया। वजन कम कर वो खुश भी है।

जानिए क्या है ये सच्ची कहानी

एक सच्ची कहानी पर आधारित यह फिल्म एक 26 वर्षीय लीवर सिरोसिस रोगी विनय चावला (सत्यजीत द्वारा अभिनीत) की यात्रा का अनुसरण करती है, जिसका अस्पताल के दुख सलाहकार (रेवती द्वारा अभिनीत) के साथ असंभावित बंधन जीवन में उसकी आशा और विश्वास को फिर से जगाता है और बनाता है वह मानवता की शक्ति में विश्वास करते हैं। फिल्म फिलहाल सिनेमाघरों में काफी पसंद की जा रही है। दर्शकों का कहना है कि यह फिल्म परिवार के हर सदस्य को जोड़ती है। इसलिए इस फिल्म को देखा जा सकता है।

सीरीज XXX मामले में एकता कपूर को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई जोरदार फटकार, कहा

युवाओं को दूषित कर रही हैं आप

टीवी इंडस्ट्री की क्वीन कही जाने वाली एकता कपूर हमेशा से ही अपने शोज के कारण चर्चा में रही हैं। हालांकि इसके साथ ही विवादों से भी उनका पुराना नाता है. अब खबर आई है कि एकता को सुप्रीम कोर्ट से जोरदार फटकार लगी हैं। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को निर्माता एकता कपूर की वेब सीरीज XXX में आपत्तिजनक सामग्री को लेकर उन्हें फटकार लगाई है।

जस्टिस अजय रस्तोगी और जस्टिस सी.टी. रविकुमार ने कहा, कुछ तो किया जाना चाहिए. आप इस देश की युवा पीढ़ी के दिमाग को प्रदूषित कर रहे हैं। पीठ ने कहा, ओटीटी (ओवर द टॉप) सामग्री सभी के लिए उपलब्ध है और उनके वकील से सवाल किया कि, आप लोगों को किस तरह का विकल्प प्रदान कर रहे हैं? पीठ ने यह टिप्पणी तब की जब एकता का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने दलील दी कि पटना उच्च न्यायालय के समक्ष एक याचिका दायर की गई थी, लेकिन संभावना कम है कि इस मामले की सुनवाई जल्द होगी। इस पर पीठ ने कहा, आप युवाओं का दिमाग खराब कर रहे हैं। रोहतगी ने कहा कि शीर्ष अदालत ने पहले भी इसी तरह के मामले में एकता को संरक्षण दिया था और देश में पसंद की स्वतंत्रता है। एकता कपूर के वकील को पीठ ने हिदायत देते हुए कहा, हर बार जब आप इस अदालत में आते हैं, तो हम इसकी सराहना नहीं कर सकते. हम इस तरह की याचिका दायर करने के लिए आप पर एक लागत डालेंगे। आप कृपया इसे अपने मुवक्किल को बताएं। सिर्फ इसलिए कि आप सेवाओं को वहन कर सकते हैं यह अदालत उनके लिए नहीं है जिनके पास आवाज है। यह अदालत उन लोगों के लिए काम करती है जिनके पास आवाज नहीं है।

बॉलीवुड | मसाला

अजब-गजब | पर्यावरण की फिक्र इतनी कि कर डाला नया प्रयोग

ऑटो के ऊपर बना डाला मिनी गार्डन, यात्रियों को मिलती है मिनी एसी जैसी ठंडी हवा

पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन का असर अब बड़े पैमाने पर दिखने लगा है। इसका ताजा उदाहरण है अक्टूबर के महीने में देश के कई हिस्सों में बेमौसम बारिश का होना। उधर राजधानी दिल्ली में भी बारिश के बाद मौसम का मिजाज बदलने लगा है। सर्दी दस्तक देने वाली है, लेकिन उससे पहले यहां के लोगों को प्रदूषण का डर सता रहा है। आमतौर पर दिल्लीवालों को नवंबर के महीने में जहरीली हवा का सामना करना पड़ता है। एक्सपर्ट ने चेतावनी दी है कि जल्द ही हवा की गुणवत्ता खराब होने वाली है। ऐसे में धुंध की मार से बचने के लिए यहां के एक ऑटो ड्राइवर ने नायाब तरीका तलाशा है। उन्होंने ऑटो के ऊपर एक मिनी गार्डन बना लिया है।

दरअसल सोशल मीडिया पर हमेशा कुछ नया मैसेज लेकर आने वाली आईएएस अधिकारी सुप्रिया साहू ने एक बेहद खास ट्वीट शेयर किया है। इसमें एक ऑटो पर मिनी गार्डन दिख रहा है। ढेर सारे छोटे-छोटे पौधे दिख रहे हैं। उन्होंने फोटो शेयर करते हुए लिखा, आज दिल्ली में इंडिया गेट पर एक दोस्त ने फोटो क्लिक की। ऑटो चालक महेंद्र कुमार ने खुद को और यात्रियों को गर्मी से बचाने के लिए मिनी एसी का प्रभाव पैदा करने के लिए अपने ऑटो की छत पर एक छोटा बगीचा बनाया है।' ऑटो पर बने इस मिनी गार्डन की लोग खूब तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है, 'अच्छा आइडिया है। तमिलनाडु की सरकार ऑटो की छतों पर सोलर पैनल लगाने का कार्यक्रम शुरू कर सकती है। यहां अधिकांश हिस्सों में लगभग पूरे साल के दौरान सूरज की चमक होती है।' एक और यूजर ने ऑटो चालक को इस पहल के लिए बधाई दी है। हालांकि कुछ यूजर ने इस पर सवाल भी उठाए हैं। उनका कहना है कि इससे ड्राइवर का ध्यान बंट सकता है और ऐसे में एक्सीडेंट का खतरा बना रहता है। रबता दें कि ऑटोचालक महेंद्र कुमार बिहार के बेगूसराय के रहने वाले हैं। गर्मी के दिनों में भी वो अपने ऑटो में पौधे और सब्जियां लगाते हैं। गार्डन बनाने के लिए उन्होंने ऑटोरिक्शा की छत पर एक मोटी शीट लगायी है। जिसे चारों तरफ से घेरकर उस पर मिट्टी डाली गई है। पड़- पौधों वाला ये ऑटो रिक्शा दिल्ली की सड़कों पर आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। गर्मियों में ऑटो को ठंडा रखने के लिए छत को गार्डन में बदलने का आइडिया बेहद हिट है। उनके मुताबिक पैसेंजर उत्साह से उनके पास आते हैं।

दुनिया की सबसे छोटी मुर्गी को पेट बनाने की होड़ में लगे यहां के लोग!

आज के वक्त में अगर किसी के घर में पेट यानी पालतू जानवर ना हो तो उन्हें बड़ा आदमी नहीं समझा जाता। यही वजह है कि लोग कुत्ते, बिल्ली खरगोश आदि जैसे जीवों को पाल लेते हैं, जो लोग गाय प्रेमी होते हैं वो गाय भी घरों में पाल लेते हैं, पर क्या आपने कभी किसी को घरों में मुर्गी को पालतू जानवर बनाकर रखते देखा है? आज हम आपको चीन के एक नए ट्रेंड के बारे में बताने जा रहे हैं जहां मुर्ग-मुर्गियों को लोग पाल रहे हैं. आप कह सकते हैं कि पोल्ट्री फार्मिंग तो काफी पहले से चला आ रहा बिजनेस है तो फिर चीन में ये ट्रेंड नया कैसे हो गया। दरअसल, जिस ट्रेंड की हम बात कर रहे हैं, इसमें लोग अपने घरों में मुर्गी या उसके अंडों को बेचने के लिए नहीं, बल्कि उन्हें पेट बनाकर रखने के लिए पाल रहे हैं। ये मुर्गी भी आम मुर्गियों से बिल्कुल अलग है क्योंकि इन्हें 'दुनिया की सबसे छोटी मुर्गी' माना जाता है। रूटीन चिकेन के नाम से फेमस इन मुर्ग-मुर्गियों को स्टक के नाम से भी जाना जाता है। रूटिन चिकेन, आम चिकेन से साइज में बेहद छोटे होते हैं. तुलना के लिए बता दें कि इनका साइज इंसान की हथेली के बराबर होता है और वजन 50 ग्राम तक हो सकता है। इनको बेचने वाले लोग इन्हें केस में बेचते हैं जिसमें इनके लिए छोटे कमरे, बल्ब, सजावट की अन्य चीजें बनी होती हैं। जब से ये टिकटॉक पर फेमस हुआ है, तब से चीन में लोग अपने छोटे घरों में इन्हें जगह देने लगे हैं। आपको बता दें कि इनका नाम रूटिन, विटामिन-पी की वजह से पड़ा जिसे रूटिन भी कहा जाता है। इस जीव के अंडे में भी विटामिन-पी होता है। बता दें कि ये चिकेन नहीं, बटेर और तीतर का क्रॉस होते हैं इसलिए इनका साइज छोटा होता है। इनके मेंटेनेंस की बात करें तो इन्हें रखने में काफी ध्यान देना पड़ता है. चूज़ों के लिए 35 डिग्री से 38 डिग्री सेल्सियस तापमान अनुकूल होता है वहीं वयस्क चिकेन के लिए 20-30 डिग्री तापमान आवश्यक होता है। इनके अंडे काफी छोटे होते हैं मगर ये अन्य चिकेन की तुलना में अंडे देने में काफी आगे हैं। 365 दिन में से 300 दिन ये अंडे दे सकते हैं। चिकेन गंदगी भी बहुत फैलाते हैं इसलिए साफ-सफाई का भी काफी ध्यान रखना पड़ता है।

भारत जोड़ो यात्रा से डरी भाजपा: गहलोत

सोनिया गांधी ने किया त्याग, यात्रा से देश में बन रही है नई फिजा

» भागवत और होसबोले बोल रहे राहुल की भाषा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से मोदी सरकार दबाव में और डरी हुई है। आज मोहन भागवत, राहुल गांधी की थीम पर बोलने लग गए है। आरएसएस में नंबर दो हैसियत रखने वाले आरएसएस के सह-सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले वे बोलने लगे हैं जो मुद्दे राहुल गांधी ने उठाए हैं।

गहलोत ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा से राहुल गांधी की देश में इमेज बनी है। वे देश के अंदर प्यार, मोहब्बत और भाईचारे की बात करने के लिए निकले हैं। राहुल गांधी की यात्रा से देश में एक नई फिजा बनी है। गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी ने कहा था कि आरएसएस कभी खत्म नहीं होनी चाहिए। लड़ाई विचारधारा की है। हम अपना काम करेंगे। आरएसएस अपना काम करेगी। ये सोच है राहुल गांधी की। अपनी-अपनी विचारधारा को लेकर राजनीति करें। हम लोग अपना काम कर रहे हैं। धर्म और जाति के आधार पर राजनीति कुछ समय के लिए ठीक हो सकती है, लेकिन लंबे समय तक नहीं। देश में सभी धर्म और वर्ग का सम्मान होनी चाहिए। देश में कानून का राज होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने कितना बड़ा त्याग किया है। राहुल ने कहा कि मेरा परिवार को कोई व्यक्ति अध्यक्ष नहीं बनेगा। ये कहने की हिम्मत चाहिए अगर त्याग किसी ने किया है तो सोनिया गांधी ने किया है। सोनिया गांधी प्रधानमंत्री नहीं बनीं। राहुल ने अध्यक्ष पद छोड़ दिया। भाजपा में कई गुट बन गए है। मोदी और अमित शाह से डरे हुए है। मेरे पास रिपोर्ट है।

हिमाचल चुनाव: कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के बाद होगा टिकटों का बंटवारा

शिमला। हिमाचल प्रदेश में विधान सभा चुनावों के लिए कांग्रेस नेताओं के बगावती सुरों के बीच रविवार देर रात को टिकटों के आवंटन को टाल दिया गया है। अब पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए मतदान होने के बाद प्रत्याशियों के नाम घोषित होने की संभावना है। टिकट कटने से नाराज नेताओं से होने वाले नुकसान के डैमेज कंट्रोल के लिए रविवार को रात भर बैठकों का दौरा चला। 11 सीटों पर प्रत्याशियों के चयन के लिए छह सदस्यीय कमेटी बनाई गई है। राष्ट्रीय कांग्रेस के महासचिव मुकुल वासनिक, पूर्व केंद्रीय मंत्री दीपादास मुंशी, पार्टी के प्रदेश प्रभारी राजीव शुक्ला, प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह, चुनाव प्रचार कमेटी के अध्यक्ष सुखविंद्र सिंह सुक्खू और नेता विपक्ष मुकेश अग्निहोत्री इस कमेटी में शामिल किए गए हैं।

एकनाथ शिंदे को मिला बालासाहेब ठाकरे के पौत्र निहार का साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे के पौत्र निहार ठाकरे ने कहा है कि वह पार्टी में एकनाथ शिंदे गुट का समर्थन करते हैं और इसी के साथ वह अंधेरी ईस्ट विधान सभा उपचुनाव के साथ मुंबई नगर निकाय चुनावों के लिए शिंदे खेमे की तरफ से प्रचार करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना धड़े द्वारा समर्थित भाजपा ने मुंबई अंधेरी ईस्ट विधान सभा सीट पर तीन नवंबर को होने वाले उपचुनाव में उद्धव गुट के उम्मीदवार ऋतुजा लटके के खिलाफ मुर्जी पटेल को मैदान में उतारा है। इस साल जून में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र की पिछली सरकार से विद्रोह कर शिंदे गुट के अलग होने के बाद राज्य में इस चुनावी मुकाबले को काफी अहम माना जा रहा है। बालासाहेब ठाकरे के तीनों बेटों में से सबसे बड़े बिंदुमाधव ठाकरे के बेटे निहार पेशे से एक वकील हैं।

उधार के उम्मीदवार से चुनाव लड़ रहा विपक्ष: दीपेंद्र हुड्डा

» कांग्रेस प्रत्याशी को वोट देने की अपील

» भाजपा, इनेलो पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हिसार। आदमपुर और बालसमंद में राज्य सभा सदस्य दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने रविवार को कांग्रेस के चुनावी कार्यालय का उद्घाटन किया। आदमपुर के गांव कोहली स्थित हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की उन्नति व जनकल्याण की कामना करते हुए उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी जय प्रकाश की जीत के लिए प्रार्थना की।

राज्यसभा सदस्य दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री और आदमपुर से कांग्रेस प्रत्याशी जयप्रकाश के पक्ष में वोट अपील करते हुए कहा कि जब वे बतौर सांसद पहली बार 2005 में लोक सभा पहुंचे तो उन्होंने देखा कि लोक सभा में अगर हर रोज हरियाणा की आवाज कोई उठाता था तो वो सांसद जय प्रकाश थे। आदमपुर का उपचुनाव महत्वपूर्ण चुनाव है और पूरे देश की नजर इस पर है। इस बार का चुनाव राजनैतिक अनैतिकता के अंत का भी चुनाव है, आदमपुर में इस सरकार का घमंड भी टूटेगा और बदलाव भी होगा। महंगाई और बेरोजगारी से त्रस्त जनता इस उपचुनाव में भाजपा सरकार को सबक सिखाएगी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि केवल आदमपुर ही नहीं हरियाणा में भी लोग बदलाव चाहते हैं। आदमपुर के लोगों को कुलदीप बिश्नोई की कार्यशैली से निराशा हाथ लगी है। भाजपा, इनेलो और आम आदमी पार्टी के पास अपने उम्मीदवार तक नहीं, ये तीनों पार्टियां उधार के उम्मीदवारों से चुनाव लड़ रही हैं। आदमपुर की जनता इस बार सिर्फ भाजपा सरकार का नहीं बल्कि भाजपा के साथ सेटिंग करके वोटकाटू उम्मीदवार उतारने वाली उसकी ए और बी टीम का भी इलाज करेगी। दीपेंद्र ने कहा कि उप-चुनाव में पूरी सरकार युद्ध स्तर पर लगकर विकास के काम कराती है लेकिन आदमपुर में बच्चों को नये स्कूल के लिए नहीं, बल्कि जो स्कूल पहले से थे उनको बचाने के लिए और जो शिक्षक थे उनको बचाने के लिए धरने देने पड़ रहे है।

छापेमारी पर भड़के सिंहदेव, कहा निष्पक्ष नहीं ईडी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा छापेमारी करने के बाद प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने ईडी पर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि ईडी का व्यवहार निष्पक्ष नहीं लग रहा है।

» विपक्ष पर साधा जा रहा निशाना

उन्होंने कहा कि आईएएस अधिकारियों का नाम आना हम लोगों के लिए शर्म की बात है। अंदर ही अंदर ऐसा कुछ हो रहा था। ईडी का व्यहवार निष्पक्ष नहीं दिख रहा है। केंद्र की सरकार से जो विपक्ष में लोग हैं, उन्हीं से जुड़े लोगों पर कार्रवाई हो रही है फिर वो चाहे कर्नाटक, दिल्ली, महाराष्ट्र और अभी यहां पर भी। उन्होंने कहा कि इससे ईडी की छवि धूमिल हो रही है। ऐसा लगता है एकपक्षीय कार्यवाही हो रही है।

बिहार: दो सीटों पर उपचुनाव से पहले जदयू को झटका

» सदानंद समेत दो नेता भाजपा में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोपालगंज। बिहार में विधान सभा की दो सीटों गोपालगंज और मोकामा पर उप चुनाव के पहले भाजपा ने लगातार दो बड़े झटके जदयू को दिए हैं। पहले हायाघाट से जदयू के पूर्व विधायक अमरनाथ गामी भाजपा में शामिल हो गए। अब समता पार्टी के स्थापना काल से ही नीतीश कुमार के साथ रहे सदानंद सिंह ने भाजपा का दामन थाम लिया है। खास बात यह है कि सदानंद गोपालगंज से ही जुड़े हुए हैं।

समता पार्टी के काल से नीतीश कुमार के साथ जुड़े रहे जदयू के पूर्व जिला अध्यक्ष सदानंद सिंह ने विधानसभा के उपचुनाव के पूर्व जदयू को छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया है। इसके बाद भाजपा खेमे में खुशी की लहर है। भाजपा को उम्मीद है कि इससे गोपालगंज में उनके प्रत्याशी की राह आसान होगी। सदर प्रखंड के भीतभेरवा गांव निवासी सदानंद सिंह बिहार में समता पार्टी के स्थापना के समय से नीतीश कुमार के साथ जुड़े रहे। जिले में समता पार्टी की नीव रखने वाले शहर के हजियापुर वार्ड 27 निवासी भोला प्रसाद पटेल उर्फ भोला मास्टर के साथ मिलकर सदानंद सिंह समता पार्टी को जिले में मजबूत बनाने का कार्य किया। बाद में समता पार्टी के बाद नीतीश कुमार की पार्टी की पहचान जदयू के रूप में होने लगी। उन्होंने विधान सभा के उप चुनाव के पूर्व केंद्रीय मंत्री राधा मोहन सिंह की मौजूदगी में भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली।

सिंधिया के शाही महल में अब 'झांसी की रानी'

जयविलास पैलेस के गाथा स्वराज की गैलरी में लगा वीरांगना का पोट्रेट

» अंग्रेजों से युद्ध करते हुए प्राप्त की थी वीरगति, अमित शाह ने किया लोकार्पण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ग्वालियर। 165 साल के एक लंबे अंतराल के बाद ग्वालियर के सिंधिया राजघराने में एक बड़ा परिवर्तन दिखा। 1857 में अंग्रेजों के खिलाफ हुई पहली क्रांति की नायिका झांसी की रानी लक्ष्मीबाई अंग्रेजों के खिलाफ क्रांति का बिगुल बजाते हुए ग्वालियर पहुंची थी। यहीं पर उन्हें वीरगति प्राप्त हुई थी। तब से इस मामले को लेकर सिंधिया परिवार लोगों के निशाने पर रहा था। उन पर लक्ष्मीबाई का साथ न देने का आरोप लगता रहा है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया जिस भाजपा में है वह तो बाकायदा उनके खिलाफ यह मामला उठाकर सिंधिया परिवार पर निशाना साधती रही लेकिन अब ये आरोप नहीं लगेंगे। अब वीरांगना लक्ष्मीबाई सिंधिया परिवार के शाही महल में स्थाई रूप से और सदैव मौजूद रहेंगी। सिंधिया के जयविलास पैलेस में स्थित म्यूजियम में तैयार की गई एक नई गैलरी गाथा स्वराज की के नाम पर तैयार की गई है। इसमें मराठा राजाओं के योगदान को दिखाया गया है। इसका उद्घाटन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को किया। संग्रहालय जयविलास पैलेस परिसर में स्थित है। जयविलास पैलेस इटली की टस्कन और कोरिंथियन शैली में बना न केवल भारत बल्कि दुनिया के चुनिंदा महलों में से एक है। चार सौ भव्य और विशाल हॉलनुमा कमरों में दिवंगत राजमाता विजयाराजे सिंधिया द्वारा अपने पति महाराजा जीवाजी राव सिंधिया की स्मृति में एक म्यूजियम का निर्माण कराया गया था, जिसमें सिंधिया राज परिवार की गाथा कहते हुए उनके परिवार से जुड़े सामानों को संरक्षित किया गया है। गैलरी को मराठा साम्राज्य के संस्थापक शिवाजी महाराज और सिंधिया साम्राज्य के संस्थापक महादजी सिंधिया को समर्पित किया गया है। अब जयविलास पैलेस में स्थापित मराठा गैलरी में तैयार की गयी मराठा क्षत्राणियों के स्टैंड में झांसी की रानी लक्ष्मीबाई को भी स्थान दिया गया है। इसमें वीरांगना झांसी की रानी के अलावा महारानी रहीं वैजाबाई से लेकर राजमाता विजयाराजे सिंधिया तक के सुन्दर और भावनात्मक पोट्रेट लगाय गए हैं।

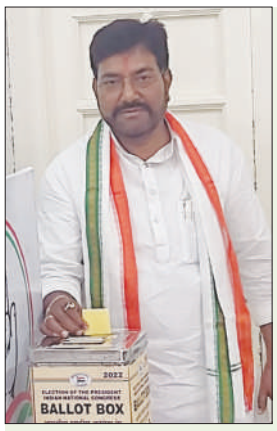

मतपेटी में बंद कांग्रेस अध्यक्ष का भविष्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए मतदान की प्रक्रिया जारी है। पूरे देश में कांग्रेस सदस्य नए अध्यक्ष के चुनाव के लिए मतदान कर रहे हैं। लखनऊ में कांग्रेस मुख्यालय में प्रदेश के नेताओं ने मतदान किया। इस दौरान सभी खुश नजर आए और कांग्रेस मुख्यालय में भी गहमागहमी मची रही। कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और शशि थरूर मैदान में हैं। कांग्रेस नेता व पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी इन दिनों भारत जोड़ो यात्रा पर हैं।

नागपुर में पंचायत समिति चुनावों में कांग्रेस का दबदबा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में पंचायत समिति के अध्यक्षों और उपाध्यक्षों के पदों पर चुनावों में कांग्रेस का दबदबा रहा। कांग्रेस ने जिले में अध्यक्ष के 13 में से नौ और उपाध्यक्ष के 13 में से आठ पदों पर जीत हासिल की। उपाध्यक्ष की तीन सीटों पर भाजपा को जीत मिली, लेकिन वह अध्यक्ष का एक भी पद नहीं जीत सकी।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने अध्यक्ष के तीन पद हासिल किए, जबकि शिवसेना अध्यक्ष का एक पद जीतने में सफल रही। कांग्रेस ने सौनेर, कलमेश्वर, परसिवनी, मौदा, कैंपटी, उमरेड, भिवापुर, कुही और नागपुर ग्रामीण में अध्यक्ष का पद जीता। काटोल, नरखेड़ और हिंगना में राकांपा ने जीत हासिल की और रामटेक अध्यक्ष का पद शिवसेना ने जीता। सूत्रों ने बताया कि रामटेक सीट पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट बालासाहेबंची शिवसेना ने जीत हासिल की।

लोगों तक पहुंचाएं सोनेलाल पटेल की विचारधारा : कृष्णा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अपना दल कमेरावादी ने डॉक्टर सोहन लाल पटेल की पुण्यतिथि पर राजधानी के हजरतगंज स्थित भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर धरना देकर सीबीआई जांच की मांग की। विधायक पल्लवी पटेल व माता कृष्णा पटेल ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ इस मांग को लेकर धरना भी दिया। इस मौके पर कृष्णा पटेल ने कहा कि पटेल जी की आत्मा को शांति तभी मिलेगी जब सीबीआई जांच होगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आहवान किया पटेलजी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएं।

विधायक पल्लवी पटेल ने कहा कि योगी सरकार हमें परेशान कर रही है पर हम संघर्ष के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि पार्टी को मजबूत करने के लिए प्रदेश में सक्रियता सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें लाखों सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से कहा कि क्षेत्र में जाकर मेहनत व लगन से पार्टी की नीतियों को जन जन तक पहुंचा जाए।

निकाय चुनाव को लेकर सपा ने बढ़ाई सक्रियता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत चुनाव को लेकर सक्रियता बढ़ा दी है। पार्टी नेताओं को निर्देश दिया गया है कि नाम कटवाने व जोड़वाने की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर है। ऐसे में अपने अपने क्षेत्र में मतदाता सूची चेक कर लें।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने सभी विधायकों, पूर्व विधायकों, निवर्तमान जिलाध्यक्षों, महानगर अध्यक्षों सहित नेताओं को रविवार को निर्देश दिया है। कहा है कि मतदाता सूची में नाम जोड़वाने, कटवाने, संशोधित कराने के लिए 20 सितंबर से 20 अक्टूबर तक बीएलओ घर-घर जा रहे हैं। ऐसे में अपने- अपने क्षेत्र की सूची चेक कर लें। यदि मतदाताओं का नाम कटा है अथवा गलत है तो तत्काल उसे दुरुस्त कराएं। उन्होंने सभी नेताओं को निर्देश दिया है कि नगर निकाय चुनाव को लेकर पूरी तत्परता बरतें। मतदाताओं को समाजवादी पार्टी के कार्यकाल में हुए कार्यों की जानकारी दें।

लोकसभा चुनाव को लेकर संघ ने कसी कमर 2024 तक 35 हजार नई शाखाएं लगाने का लक्ष्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की एक बैठक हुई। बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने संघ के विस्तार पर चर्चा की। संघ 2025 में अपनी स्थापना का शताब्दी वर्ष मनाने जा रहा है। उससे पहले मार्च 2024 तक शाखाओं का विस्तार एक लाख तक करने का लक्ष्य रखा गया है।

11 से 13 मार्च 2022 तक गुजरात के पिराणा स्थित प्रेरणा पीठ में हुई अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में संघ विस्तार की समीक्षा हुई थी। इससे पहले तब यह तथ्य प्रकाश में आया था कि मार्च 2022 तक देशभर के 38,390 स्थानों पर संघ की 60,929 शाखाएं लग रही हैं, जबकि मार्च 2021 तक देशभर के 34,569 स्थानों पर 55,652 शाखाएं संचालित थीं। इस प्रकार एक साल में 5,277 नई शाखाएं शुरू हुईं। बीते छह महीने में विस्तार कार्यों को तेजी दी गई और तकरीबन चार हजार नई शाखाएं शुरू होने की सूचना है। इस लिहाज से वर्तमान में लगभग 65 हजार शाखाएं चल रही हैं और मार्च 2024 तक बचे हुए डेढ़ साल के समय में 35 हजार शाखा विस्तार का लक्ष्य प्राप्त करना है। साप्ताहिक मिलन और संघ मंडली के विस्तार पर भी चर्चा हुई। मार्च 2021 में 18,553 साप्ताहिक मिलन और 7,655 संघ मंडल थी जो मार्च 2022 में बढ़कर क्रमशः 20,681 व 7923 हो गए थे।

संघ हिंदुओं पर हो रहे हमले रोकने के लिए बनाएगा सकारात्मक वातावरण

जम्मू कश्मीर में आए दिन कश्मीरी पंडितों एवं अन्य दूसरे राज्यों में हिंदुओं पर हो रहे हमले को लेकर संघ गंभीर है। संघ वहां ऐसा वातावरण बनाने के पक्ष में है ताकि कश्मीरी पंडितों के साथ दूसरे राज्यों में भी हिंदुओं पर हमले न हों। प्रयागराज में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में इस बारे में ठोस नीति बनाए जाने की वकालत हुई। दरअसल कश्मीर में बीते कुछ समय में वहां रहने वाले कश्मीरी पंडितों पर लगातार हमले हो रहे हैं। इसे लेकर संघ भी चाहता है कि वहां ऐसा वातावरण बने ताकि कश्मीरी पंडित खुद को सुरक्षित महसूस करें। कार्यकारी मंडल की बैठक में कश्मीर में शाखा विस्तार की बात भी कही गई। साथ ही मजहबी दीवार तोड़ने के लिए मुस्लिम समाज से संवाद को बढ़ाने के लिए किए जाने वाले प्रयासों पर भी विशेष मंथन किए जाने चर्चा हुई।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।